



B.Sc. Part—I (Semester—II) Examination

SANSKRIT (New)

(Compulsory)

Time : Two Hours]

[Maximum Marks : 40

1. Translate any **ONE** paragraph of the following :—

5

खालीलपैकी कोणत्याही एका परिच्छेदाचे भाषांतर करा :—

निम्नलिखित में से किसी एक परिच्छेद का अनुवाद कीजिए :—

(1) सत्यकामो ह जाबालो जबातां मातरम् आमन्त्रयाञ्चके। ब्रह्मचर्यं भवति विवत्स्यामि किंगोत्रो न्वहस्मीति।।१।। सा हैनमुवाच। नाहमेतद्वेद तात यद्गोत्रस्त्वमसि। बह्वहं चरन्ती परिचारिणी यौवने त्वामलभे। साऽहमेतन्न वेद यद्गोत्रस्त्वम् असि। जबाला तु नामाहमस्मि। सत्यकामो नाम त्वमसि। स सत्यकाम एवं जाबालो ब्रुवीथा इति।

(2) अवनयमय द्विफतां शिरांसि। उन्नमय बन्धुवर्गम्। अभिषेकानन्तरं च प्रारब्धदिग्विजयः पुनर्विजयस्व वसुन्धराम्। अयं च ते कालः प्रतापमारोपयितुम्। आरुढप्रतापो हि राजा त्रलोक्यदर्शीव सिद्धादेशो भवति।

2. Translate any **ONE** shloka :—

5

खालीलपैकी एका श्लोकाचे भाषांतर करा :—

निम्नलिखित में से किसी एक श्लोक का अनुवाद कीजिए :—

(1) तडागे यस्य गावस्तु पिबन्ति तृषिता जलम्
मृगपक्षिमनुष्याश्च सोऽश्वमेधफलं लभेत्।।
दुर्लभं सलिलं तात विशेषेण परत्र वै।
पानीयस्य प्रदानेन प्रीतिर्भवति शाश्वती।।

(2) न स्वादु नीषधमिदं न च वा सुगन्धि
नाक्षिप्रियं किमपि शुष्कतमाखुघूर्णम्।
किं चाक्षिरोगजनकं च तदस्य भोगे
बीजं नृणां नहि व्यसनं विनान्यत्।।

3. Write life-sketch of Dr. Satyavratashastri.

10

डॉ. सत्यव्रतशास्त्रीचे जीवनचरित्र लिहा.

डॉ. सत्यव्रतशास्त्रीजी का जीवनचरित्र लिखिए।

OR/किंवा/अथवा

Write in detail 'places of articulation of syllbles'.

'वर्णांच्या उच्चारणस्थाना' विषयी सविस्तर उत्तर लिहा.

'वर्णों के उच्चारणस्थान' इस विषय पर सविस्तर उत्तर लिखिए।



4. 'तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु।' — Explain the meaning.

'तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु।' हे विधान स्पष्ट करा.

'तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु।' इस विधान को स्पष्ट कीजिए।

OR/किंवा/अथवा

How did Parvati answered the 'ब्रह्मचारी' ?

पार्वतीने ब्रह्मचार्याला कसे उत्तर दिले ?

पार्वतीने ब्रह्मचारी को कैसे उत्तर दिया ?

5. Write short notes (any TWO) :—

10

टिपा लिहा (कोणत्याही दोन) :—

टिप्पणियाँ लिखिए (कोई भी दो) :—

(1) सत्यकामाची परीक्षा (Examination of Satyakama)।

सत्यकाम की परीक्षा (Examination of Satyakama)।

(2) अनर्थपरम्परा।

(3) स्नानगुणः।

(4) Description of Shiva by ऋद्ध

ऋद्धने केले शिवाचे वर्णन.

ऋद्ध के द्वारा किया गया शिववर्णन।